शोध प्रारूप –

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का योगदान : दरभंगा जिला के संदर्भ में

वाणिज्य विषय में पी–एच.डी. की उपाधि हेतु

Forwarded

Head & Director

वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा

DEAN
Faculty of Commerce
LNMU, Darbhanga

2024

पर्यवेक्षक–
डॉ. राज कुमार साह
एसोसिएट प्रोफेसर
आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय
शाहपुर पटोरी समस्तीपुर, बिहार

शोधार्थी–
बिपीन कुमार राम
पैट क्रमांक– E2204008
सत्र– 2021–22
ग्राम+ पोस्ट– मोरवाड़ा 1
थाना– सिंधिया, जिला– समस्तीपुर
पिन– 848209

Scanned with CamScanner

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का योगदान : दरभंगा जिला के संदर्भ में

1. भूमिका

महिला अपने तथा अपने परिवेश की समस्याओं के बारे में स्वतंत्र निर्णय लेने योग्य बने, मानव अधिकारों के संदर्भ में महिला अपनी शारीरिक तथा मानसिक इच्छाओं को पूर्ण करने के योग्य बने, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने। समाज के प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के योगदान का सही मूल्यांकन करना और विभिन्न विकासों की प्रक्रिया में स्त्रियों की भागीदारी को सुनिश्चित करना ही महिला सशक्तिकरण है। महिला सशक्तिकरण वास्तविक अर्थों में महिला को इस योग्य बनाता है कि वे अपनी बुद्धिमता, अपनी सुविधाओं, अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं को प्रत्यारोपित कर सकें और अपने अंदर निहित ऊर्जा को पहचाने एवं विचार, कथन और कार्य करने की आजादी के साथ–साथ अपनी निजी जिन्दगी के प्रत्येक क्षेत्र को स्वशक्ति द्वारा संचालित कर सके। आर्थिक आत्मनिर्भरता का विकास कर सके। महिला सशक्तिकरण सरल अर्थ में महिला को शक्तिशाली बनाना है तथा उसकी निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना क पूरा नाम माइक्रो यूनिट डेवलपमेंट रीफाइनेंस एजेंसी है। इस योजना की शुरूआत 2015 में की गई। मुद्रा योजना एक ऐसी योजना है जिसमें बिजनेस का विस्तार करने के लिए बिजनेस लोन तो मिलता ही है, इसके साथ ही एमएसएमई सेक्टर का नया बिजनेस शुरू करने के लिए भी बिजनेस लोन मिलता है। मुद्रा लोन स्कीम के तहत 10 लाख तक मुद्रा लोन 27 सरकारी बैंक, 17 प्राइवेट बैंक, 31 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 4 सहकारी बैंक, 36 माइक्रो फाइनेंस संस्थान और 25 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से मिलता है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन खास है क्योंकि इस योजना में महिला आवेदकों को प्रमुखता के आधार पर मुद्रा लोन प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक बिजनेस लोन योजना है। इस सरकारी लोन योजना में एमएसएमई कारोबारियों को तीन कैटेगरी में 10 लाख रूपये तक का बिजनेस लोन, बिना कुछ गिरवी रखे मिलता है।

- ❖ **शिशु लोन योजना**:– इस योजना में लाभार्थी को 50 हजार तक का बिजनेस लोन प्रदान किया जाता है।

Rsg 17.4.24

Bipin Kumar Ram 13/04/24

Scanned with CamScanner

- ❖ **किशोर लोन योजनाः–** किशोर लोन योजना में महिला कारोबारियों को 50 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन प्रदान किया जाता है।
- ❖ **तरूण लोन योजनाः–** तरूण लोन योजना में महिला कारोबारियों को 5 लाख से 10 लाख तक का बिजनेस लोन प्रदान किया जाता है।

केन्द्र सरकार के लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही मुद्रा लोन योजना का लक्ष्य देश में अधिक से अधिक उद्योग शुरू करना और पुराने उद्योगों को बढ़ावा देना है। इसीलिए तीन कैटेगरी का वर्गीकरण किया गया है।

महिलाएँ हमारे देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। इसलिए राष्ट्र के विकास के इस महान कार्य में महिलाओं की भूमिका तथा योगदान को पूरी तरह और सही परिप्रेक्ष्य में रखकर ही राष्ट्र निर्माण के कार्य को समझा जा सकता है। देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मोदी सरकार कई प्रयास कर रही है। जिसमें देश के सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंक भी अहम भूमिका निभा रहे है। जिससे की महिलाएँ भी कारोबार के क्षेत्र में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही है। छोटे कारोबारियों को व्यवसाय में बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुद्रा बैंक योजना की घोषणा की जिसकी शुरूआत तत्कालीन वित्तमंत्री अरूण जेटली ने अपने बजट में 20 हजार करोड़ कोष और 3 हजार करोड़ रूपये साख गारंटी रख कर की है। इस योजना का उद्देश्य उचित ब्याज दर पर लोन उपलब्ध कराने के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करना है। खास बात यह है कि कर्ज लेने वालों को एक मुद्रा कार्ड भी मिल रहा है जिसे वे जरूरत पड़ने पर क्रेडिट कार्ड की तरह इस्तेमाल कर सकती है। इस कार्ड के जरिये अचानक जरूरत पड़ने पर दस हजार रूपये तक निकाले जा सकते है। मुद्रा योजना का मुख्य उद्देश्य रोजगार प्रदान करना है। परन्तु इसका अर्थ रोजगार उत्पन्न करना नहीं हैं बल्कि लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है। महिलाओं के हित में यह मुद्रा स्कीम काफी फायदेमंद है। इस योजना का लाभ किसी भी बैंक से लिया जा सकता है। मुद्रा योजना के अन्तर्गत महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के उद्यमियों को ऋण देने में प्राथमिकता दी जा रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में ये योजना बहुत ही सफल और लोकप्रिय साबित हो रही है।

17.4.24

19/04/24

Scanned with CamScanner

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई मुद्रा योजना नए उद्यमों को शुरू करने के लिए, महिलाओं को ऋण प्रदान करने, उन्हें सशक्त बना कर उनकी स्थिति में सुधार करने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है। पूरे देश में अब तक इस योजना के तहत स्वीकृत पीएमएमवाई ऋण की संख्या 7.8 करोड़ है और मंजूर की गयी राशि 3 लाख 35 हजार करोड़ एवं वितरित की गई राशि 3 लाख 23 हजार करोड़ है। यह योजना देश की महिलाओं की जिंदगी बदल दी हैं, जो महिला सशक्तिकरण को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। इस तरह यह एक महत्त्वपूर्ण योजना है, जो देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

2. पूर्व अध्ययन की समीक्षाः

महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर कई विद्वानों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए है। इस विषय पर स्रोत सामग्री की उपलब्धता है। शर्मा (2000) ने अपने अपने अध्ययन में पाया कि ग्रामीण महिलाएं शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से काफी पिछड़ी हुई तथा उन्हें वित्तीय संस्थाओं, प्रशिक्षण एवं प्रसार तकनीक का ज्ञान नहीं है, जिसके फलस्वरूप सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं का उन्हें उपेक्षित लाभ नहीं मिला। शिखा (2016) के अनुसार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने हेतु सरकार द्वारा योजनाओं के माध्यम से प्रयास किया गया है, किन्तु इन योजनाओं का प्रचार–प्रसार उतना नहीं हुआ है जितना होना चाहिए। जिसके कारण इन योजनाओं का लाभ उस अन्तिम महिला को नहीं मिल सका, जिसके लिए यह बनाई गई है। शुभा (2001) ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित अनेक प्रश्न उठाये हैं। लेखिका ने पितृसत्तात्मक व्यवस्था पर तीखा प्रहार करते हुए बताया है कि समाज में शक्ति संतुलन महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस प्रयास है। नारी की स्वतंत्रता, पहचान भौतिक संसाधनों एवं समाज के सभी क्षेत्रों की निर्णय–प्रक्रिया में उसकी पूर्ण भागीदारी आवश्यक है। समतावादी लोकतांत्रिक समाज में ही महिला सशक्तिकरण संभव है, जिसके निर्माण हेतु जीर्ण–शीर्ण पुरातन मान्यताओं और परम्पराओं का उन्मूलन आवश्यक है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के केन्द्र सरकार दावा कर रही है कि इसके जरिए लोन देते हुए करोड़ों की संख्या में नया रोजगार पैदा किया गया है जिसमें सबसे अधिक

17.4.24

19/04/24

Scanned with CamScanner

महिलाएँ हैं। बहरहाल इस योजना से महिलाओं के आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा तथा उसके जीवन में क्या बदलाव आया इसको ज्ञात करना आवश्यक हो जाता है।

उपरोक्त साहित्यों की समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर क्या प्रभाव पड़ा तथा इससे उसके जीवन में क्या–क्या बदलाव आया एवं इस योजना में आनेवाली कठिनाइयों व कमियों की पहचान करना आवश्यक है।

3. शोध समस्या

भारतीय समाज में आर्थिक रूप से कई लोग बेहद विपन्नता की स्थितियों का सामना कर रहा है, इनमें मुख्य रूप से महिला, दलित व अन्य आर्थिक रूप से पिछड़े समूह है। इनकी संख्या देश में लगभग आधी आबादी है। इतनी बड़ी संख्या गरीबी रेखा से नीचे जीने के कारण अपना विकास नहीं कर पाता है। इनकी विकास को गति प्रदान करने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत की है ताकि देश की आधी आबादी अपने को आत्मनिर्भर बना सके। खासकर महिलाओं को आत्मनिर्भर व रोजगार से जोड़ना इस योजना का लक्ष्य है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत राष्ट्रीय स्तर पर की गई। तब से लेकर अब तक लाखों लोगों को यह योजना लाभान्वित कर चुका है। ऐसे में देश में महिलाओं का आर्थिक विकास कैसा हुआ और उनके जीवन में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक आदि आधारों पर क्या प्रभाव पड़ा इसे निर्धारित करना बेहद जरूरी है। इस लक्षित वर्गों के विकास से देश का विकास हुआ या नहीं हुआ इसे जानना बेहद जरूरी हो जाता है। किस तरह के महिलाओं को यह लोन दिया गया, इन लोन के नियम परिनियम क्या है, इस लोन को पाने के बाद महिलाओं के जीवन में क्या–क्या बदलाव आया को खोजने का प्रयास किया जाएगा। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को कैसे प्रभावशाली बनाया जाएगा इसे भी खोजने का प्रयास किया जाएगा। इस प्रकार शोध समस्या को निम्न कथन के सापेक्ष्य में अध्ययन हेतु परिलक्षित किया गया है:– ''**महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का योगदान : दरभंगा जिला के संदर्भ में**''।

Raj 17.4.24

Bipin Kumar Ram 17/04/24

Scanned with CamScanner

4. शोध का उद्देश्य एवं प्रासांगिकता

महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के जीवन को प्रभावित करने वाली पहलुओं चाहे वह सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक हों, का प्रभावी संयोजन आवश्यक है। आर्थिक विकास के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण का अहम योगदान है क्योंकि इसके कारण महिलाओं के सशक्त एवं पूँजी का स्रोत बनाया जा सकता है।

कोई भी योजना बनाने से पहले किसी न किसी तरह की समस्या को नीति निर्णयकारों द्वारा पहचान किया जाता है। उसके बाद ही उन समस्याओं को दूर करने के लिए कोई कार्य–योजना बनाया जाता है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना समाज में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आर्थिक सशक्तिरण प्रदान कर उसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए लाया गया है। अब यदि उन लाभान्वित सदस्यों के जीवन का अध्ययन किया जाएगा तो इस योजना की सफलता को निर्धारित किया जा सकता है। साथ ही इस योजना में आनेवाली कठिनाईयों व कमियों की पहचान भी किया जा सकता है। इन्हीं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह शोध कार्य किया जा रहा है।

वर्तमान समय में महिलाओं, दलितों और आर्थिक रूप से विपन्न समूहों को आगे बढाने का समय है, इसी कारण से भारत सरकार ने इन समूहों के विकास के लिए कई तरह की योजना और कानून का निर्माण कर रहे है। ऐसे में सरकार द्वारा संचालित योजनााओं की समीक्षा इस शोध के द्वारा किया जा सकता है। जो भविष्य में सरकार और समाज दोनों को काम आ सकता है। देश की आधी आबादी की उन्नति देश को विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसे में इस शोध की प्रासंगिकता समय के साथ चलने जैसा है। इस शोध का महत्व इस रूप में भी है कि इसमें योजना से संबंधित नियमों को परखने की कोशिश तो किया ही जाएगा साथ ही लाभार्थियों के जीवन में हुए बदलावों को भी समझने की कोशिश की जाएगी। इस शोध को पूरा होने के उपरान्त लोगों को भी इस योजना के महत्व और लोगों के जीवन में आए बदलावों की वास्तविक जानकारी मिल जाएगा।

प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. महिलाओं की आय एवं रोजगार वृद्धि में मुद्रा लोन योजना के योगदान का मूल्यांकन करना।

Ray 17.4.24

Bipin Kumar Ram 17/04/24

Scanned with CamScanner

2. मुद्रा लोन योजना का ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों का पता लगाना।
3. मुद्रा लोन योजना द्वारा विभिन्न बैंकों के माध्यम से बैंकिंग सुविधाओं से वंचित महिला वर्ग को दिए जा रहे ऋणों का विश्लेषण करना।
4. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के द्वारा महिलाओं की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन का विश्लेषण करना।

5. परिकल्पनाएंः

प्रस्तुत अध्ययन निम्नांकित परिकल्पनाओं पर आधारित होगाः–

H_{01} मुद्रा लोन योजना के माध्यम से महिलाओं की आय एवं रोजगार में वृद्धि नहीं हुई है।

H_{02} मुद्रा लोन योजना से ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण परिवर्तन संभव नही है।

6. अध्ययन पद्धति एवं स्रोतः

प्रस्तावित शोध कार्य प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों अध्ययन पद्वति पर आधारित होगा। प्राथमिक आंकड़ों का संग्रह दरभंगा जिला के विभिन्न प्रखण्डों के 250 उत्तरदाताओं से साक्षात्कार के माध्यम से प्रश्नावली तैयार कर किया जाएगा। द्वितीयक आंकड़े के लिए शोध कार्य से संबंधित विभिन्न सरकारी रिपोर्ट, विभिन्न शोध पत्रिकाओं तथा समाचार पत्रों के समय–समय पर प्रकाशित तथ्य को शामिल किए जाऐंगे। अध्ययन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यकतानुसार डाटा रेखाचित्र आदि प्रयोग कर निष्कर्ष प्राप्त किया जाएगा एवं प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर परिकल्पना को सत्यापित करने का प्रयास किया जाएगा।

7. कार्य योजनाः

इस उद्देश्य से तत्काल प्रस्तुत शोध विषय का शीर्षक "महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का योगदान : दरभंगा जिला के संदर्भ में" शोध प्रबंध में विषय सामग्रियां निम्नांकित अध्यायों के रूप में सामंजित की जाएगीः–

अध्याय–1 : भूमिका

Roy 17.4.24

Bipin Kumar ... 17.04.24

Scanned with CamScanner

प्रस्तावित शोध कार्य के प्रथम अध्याय भूमिका के अंतर्गत शोध समस्या, परिकल्पना, पूर्व अध्ययनों की समीक्षा, अध्ययन का महत्व एवं अध्यन पद्धति का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जाएगा।

अध्याय–2 : दरभंगा जिला की आर्थिक संरचना

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अंतर्गत दरभंगा जिला की आर्थिक संरचना का विस्तृत चर्चा किया जाएगा।

अध्याय–3 : महिला सशक्तिकरण एवं प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की अवधारणा

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति एवं समस्यओं तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की अवधारणा का अध्ययन किया जाएगा।

अध्याय–4 : दरभंगा जिला में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की कार्य प्रवृत्ति

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अंतर्गत दरभंगा जिला में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की कार्य प्रवृत्ति का विश्लेषण किया जाएगा।

अध्याय–5 : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का विश्लेषण

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अंतर्गत प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्याय–6 : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का महिलाओं के सम्पूर्ण विकास में योगदान का अध्ययन

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अंतर्गत प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का महिलाओं के सम्पूर्ण विकास में योगदानों के अध्ययन का विवेचन किया जाएगा।

अध्याय–7 : निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तावित शोध कार्य के इस अध्याय के अन्तर्गत अध्ययन का निष्कर्ष एवं उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत किया जाएगा। अध्ययन के अंत में पठित एवं संदर्भित पुस्तकों, अभिलेखों एवं प्रतिवेदनों की सूची प्रस्तुत की जाएगी।

17.4.24

13/04/24

Scanned with CamScanner

8. संदर्भ ग्रंथ–सूची

1. अंसारी, एम.ए.; महिला आपराधिकता एवं पुनर्स्थपना, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 1981
2. अंसारी, एम.ए.; महिला और मानवाधिकार, ज्योति प्रकाशन, जयपुर, 2000
3. आहुजा, राम; भारतीय समाज, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर 2000
4. आहुजा, राम; आधुनिक भारत की सामाजिक समस्याएँ, मीनाक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1980
5. कपूर, श्याम किशोर; भारत अधिकार एवं अन्तर्राष्ट्रिय विधि, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी, इलाहाबाद, 2008
6. गहलोत, एस.एन.; भारतीय राजनीतिक व्यवस्था दशा और दिशा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, दिल्ली, 2004
7. चन्द्र, यादवेन्द्र शर्मा; दलित नारी विद्रोह की कहानियाँ, सारिका प्रकाशन, दिल्ली, 2008
8. जैन, एस.के.; महिलाओं का उत्पीड़न एवं विधिक उपचार, इण्डिया लॉ हाउस, इन्दौर, 1994
9. जैन, एन.के.; महिलाओं के कानूनी अधिकार, राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, जयपुर, 2008
10. द्विवेदी, राकेश; महिला सशक्तिकरणः चुनौतियाँ एवं रणनीतियाँ, पूर्वाशा प्रकाशन, भोपाल, 2005
11. पायली, एम. वी.; भारतीय संविधानः एक परिचय, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2002
12. राय, एस. चन्द्र कुमार; भारतीय सामाजिक समस्याएँ, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2004
13. लवानिया, एम.एल.; भारतीय महिलाओं का समाजशास्त्र, रिसर्च पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2019.
14. व्यास, रामप्रसाद; उपाध्याय, मनोरमा; पुरोहित, ऊषा; भारतीय नारीः परिवर्तन एवं चुनौतियाँ, राजस्थानी ग्रन्थसागर, जयपुर, 2009

17.4.24

Scanned with CamScanner

15. शर्मा, ऋषभदेव; स्त्री सशक्तिकरण के विविध आयाम, गीता प्रकाशन, हैदराबाद, 2004

16. शर्मा, रामनाथ; शर्मा, राजेन्द्र कुमार; भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक समस्यायें, एटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स , नई दिल्ली, 1996

***

17.4.24

Scanned with CamScanner